पद ९

(राग: मिश्र शंकरा - ताल: भजनी)

शिर नमवितो मी तुज देवी। शीघ्र कृपा कर मजवरी देवी।।धु.।। ध्यानी जपुनी मनी पूजितों। अनंत लीला तुझी ऐकतों। दर्शन दे मज तूं निजरूपी।।१।। दिव्य शक्ति अगणित व्यक्ति। हृदयी तुझ्या सगुण सदन देवी। चरणी संगम पातक नाशी।।२।। श्री व्यंकाचरणी मन लागी। जागे स्फूर्ति देहनावरी। सिद्ध प्रार्थि देण्या तुज सिद्धी।।३।।